REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 11 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2022

विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी तथा गैर–खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार के लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ अजय करकरे[1], भाऊसाहेब जुलाल पाटील[2]
[1]प्राचार्य, रानी लक्ष्मीबाई महिला महाविद्यालय सावंरगाँव, नागपुर.
[2]शोध छात्र, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर.

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी तथा गैर खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार के लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन करना है । अध्ययन हेतु कुश्ती, बॉक्सिंग,जूडो, ताईक्वांडो, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल तथा बास्केटबॉल की अंतरविश्वविद्यालयीन स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 400 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिनकी औसत आयु 22.98 वर्ष थी । अध्ययन हेतु 100 विश्वविद्यालयीन गैर–खिलाड़ी छात्रों का चयन भी किया गया जिनकी औसत आयु 24.62 वर्ष थी । अध्ययन में न्यादर्श के असामान्य व्यवहार की आंकलन जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी द्वारा किया गया । इसका निर्माण जोशी एवं मलिक (1981) ने किया गया है । इस इन्वेंटरी के साइकोन्यूरॉटिक स्केल में 08 घटक चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक–हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता हैं । परिणामों के अनुसार विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्रों में असामान्य व्यवहार के अंतर्गत चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक– हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता का स्तर, गैर खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों से सार्थक स्तर पर कम पाया गया । निष्कर्षतः यह प्रमाणित होता है कि खेलों में सहभागिता की विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार से जुड़े लक्षणों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।

संकेत शब्द : खेलों में सहभागिता, असामान्य व्यवहार.

प्रस्तावना :

ऐसे व्यवहार जो कि सामाजिक मानकों का उल्लंघन करते हैं वह प्रायः मनोवैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक रूप से असामान्य समझे जाते हैं । ऐसे अनेक कारण होते हैं जिसके कारण व्यक्ति सामाजिक मानकों के विरूद्ध कार्य करते हैं । ऐसे व्यक्ति मानसिक रोगों से पीड़ित हो सकते हैं पर असाधारण परिस्थिति में तर्कसंगत व्यवहार करते हैं । सामाजिक मानकों का उल्लंघन ही केवल असामान्य व्यवहार की पहचान करने के लिये आवश्यक घटक नहीं है । सांख्यिकीय रूप से दुर्लभता भी असामान्य व्यवहार का कारण हो सकता है । ऐसे व्यक्ति जिनमें न्यूरो डेवलपमेंटल रोग होते हैं उनकी संख्या कम होती है इसलिये उनके द्वारा किया गया व्यवहार प्रायः असामान्य की श्रेणी में आता है । असामान्य व्यवहार को निर्धारित करते समय यह देखना भी जरूरी होता है कि वह उस व्यक्ति में क्लेश उत्पन्न कर रहा है या फिर वह उससे जुड़े अन्य व्यक्तियों में भी डिस्ट्रेस

उत्पन्न कर रहा है । परन्तु असामान्य व्यवहार को निर्धारित करते समय वैयक्तिक क्लेश के साथ–साथ अन्य कारकों को संज्ञान में लेना भी जरूरी होता है । अध्ययनों से यह बात उभर कर सामने आयी है कि खेलों में भागीदारी के अनेक लाभ हैं जिनमें अच्छा शारीरिक स्वास्थ्य तथा चिंता व अवसाद जैसे लक्षणों से बचाव है । एक अध्ययन में Laborde et al., 2016 ने खेलों के माध्यम से विकसित होने वाले व्यक्तित्व के उत्तम लक्षणों का उल्लेख किया है । इस बात का संज्ञान Kipp and Weiss (2013) के अध्ययन में भी होता है जिसके परिणाम के अनुसार स्वयं की योग्यता को पहचानने की क्षमता खिलाड़ियों में गैर खिलाड़ियों से अधिक होती है । अध्ययन से यह भी प्रमाणित हुआ है कि जोखिम भरे खेल साहस तथा विनम्रता जैसे गुणों को विकसित करते हैं (Brymer and Oades, 2009) । परन्तु खेलों में सहभागिता के नकारात्मक परिणामों पर भी शोधकर्ताओं ने अनेक संकल्पनाओं का प्रतिपादन किया है । Moshagen et al., 2018 ने खेल तथा शारीरिक गतिविधि के मानव व्यवहार पर पड़ने वाले अपकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला है । उनके अनुसार खेल गतिविधियाँ आत्म मुग्धता, कार्य पूर्ण करने के लिये किसी प्रकार की नैतिक–अनैतिक गतिविधियों का सहारा लेने, साइकोपैथी अर्थात् निम्न व्यवहारात्मक नियंत्रण, न्यूरोसाइकियाट्रिक डिस्ऑर्डर तथा दूसरों को दुख होने पर खुशी होना जैसे लक्षणों को बढ़ावा देती हैं । खेलों में सहभागिता एवं असामान्य व्यवहार पर प्रमाणित तथ्य विरोधाभासी हैं जिसे वैज्ञानिक रूप से परखने के लिये यह शोध कार्य किया गया ।

संबंधित साहित्य का अध्ययन :

खेलों में सहभागिता तथा व्यक्तित्व विकास एवं संभावित असामान्य व्यवहारों पर अध्ययन किये गये हैं । इन अध्ययनों में Curie et al. (1999), Storch et al. (2005), Mirsafian (2008), Proctor and Boan-Lenzo (2010), Shairiati and Bakhtiari (2011), Sheikhi and Yadolazadeh (2012), Brand et al. (2013), Ghaedi et al. (2014), Kinder (2021) के शोध प्रमुख हैं ।

अध्ययन का उद्देश्य :

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी तथा गैर–खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन करना है ।

परिकल्पना :

विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्रों तथा गैर खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक– हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता से संबंधित लक्षणों में सार्थक भिन्नता पायी जायेगी ।

अध्ययन पद्धति :

न्यादर्श :

अध्ययन हेतु कुश्ती, बॉक्सिंग,जूडो, ताईक्वांडो, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल तथा बास्केटबॉल की अंतरविश्वविद्यालयीन स्पर्धाओं में भाग लेने वाले 400 पुरुष खिलाड़ियों को चुना गया जिनकी औसत आयु 22.98 वर्ष थी । अध्ययन हेतु 100 विश्वविद्यालयीन गैर–खिलाड़ी छात्रों का चयन भी किया गया जिनकी औसत आयु 24.62 वर्ष थी । सप्रयोजन पद्धति से न्यादर्श चयन किया गया ।

परीक्षण विधि :

जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी :

अध्ययन में न्यादर्श के असामान्य व्यवहार की आंकलन जोधपुर बहुअंशी व्यक्तित्व इन्वेंटरी द्वारा किया गया । इसका निर्माण जोशी एवं मलिक (1981) ने किया गया है । इस इन्वेंटरी के साइकोन्यूरॉटिक स्केल में 08 घटक चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक–हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता हैं । इस इन्वेंटरी पर उत्तरदाता की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन 05 अंकों की लिकर्ट स्केल से किया जाता है एवं यह पांच विकल्प हमेशा, बहुधा, साधारणतया, कभी–कभी एवं

कभी नहीं हैं । इन विकल्पों पर 04, 03, 02, 01 एवं 00 अंक दिये जाते हैं जिसमें सकारात्मक / नकारात्मक कथन पर स्कोरिंग विपरीत होती है । यह इन्वेंटरी पूर्णतः सांख्यिकीय रूप से बैध एवं विश्वसनीय है ।

प्रक्रिया :

सप्रयोजन प्रणाली के द्वारा 400 विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों तथा 100 गैर खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों को चुना गया । चयन किये गये खिलाड़ियों तथा गैर खिलाड़ियों पर अध्ययन में प्रयुक्त जोधपुर मल्टीफेजिक पर्सनालिटि इन्वेंटरी का प्रशासन किया गया । इन्वेंटरी में प्रत्येक कथन पर मूल्यांकन की पद्धति का अनुगमन करते हुए स्कोरिंग की गयी तथा प्रत्येक घटक से जुड़े कथनों पर अंकों को जोड़कर कुल मान निकाले गये । स्कोरिंग के बाद प्रत्येक न्यादर्श के 08 घटकों पर मान सारणीकृत कर सांख्यिकीय विश्लेषण का कार्य किया गया ।

परिणाम :

तालिका क्रमांक 1 में विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी तथा गैर खिलाड़ी छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों की तुलना प्रस्तुत की गयी है। तुलना के लिये independent sample 't' test का प्रयोग किया गया है ।

तालिका क्रमांक 1
विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी तथा गैर खिलाड़ी छात्रों के मध्य असामान्य व्यवहार के घटकों की तुलना

असामान्य व्यवहार के घटक	विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्र (N=400)		विश्वविद्यालयीन गैर खिलाड़ी छात्र (N=100)		't-value'	सार्थकता का स्तर
	Mean	S.D.	Mean	S.D.		
चिंता	38.35	4.78	46.58	5.38	14.98	p<.01
मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया	33.40	5.29	37.51	6.35	6.64	p<.01
रुपांतरण प्रतिक्रिया	21.73	2.19	24.21	2.94	9.35	p<.01
वियोजनात्मक हिस्टिरिया	14.68	1.98	16.45	2.15	7.81	p<.01
असंगत भय	17.09	4.09	21.16	4.58	8.66	p<.01
अवसाद	34.79	5.16	42.32	4.32	13.45	p<.01
स्नायु दौर्बल्य	14.74	2.53	16.54	3.00	6.08	p<.01
सामाजिक अंतर्मुखता	35.65	3.73	34.96	3.51	1.67	p>.05

t(df=498) = 1.96 at p<.05 and 2.59 at p<.01

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक चिंता पर Mean = 38.35 तथा गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक चिंता पर Mean = 46.58 पाया गया । अतः गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में चिंता से जुड़े पहलुओं का प्रमाण विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन t=14.98, p<.01 से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के आंकड़ों के अनुसार विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया पर Mean = 33.40 तथा गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया पर Mean = 37.51 पाया गया । गैर–खिलाड़ी

विश्वविद्यालयीन छात्रों के समूह में असामान्य व्यवहार के घटक मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया पर माध्य, विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों के समूह में असामान्य व्यवहार के घटक मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया पर माध्य से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=6.64$, $p<.01$ से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में रुपांतरण प्रतिक्रिया का स्तर (Mean = 24.21), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 21.73) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=9.35$, $p<.01$ से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक वियोजनात्मक हिस्टिरिया का स्तर (Mean = 16.45), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 14.68) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=7.81$, $p<.01$ से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक असंगत भय का स्तर (Mean = 21.16), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 17.09) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=8.66$, $p<.01$ ($t(df=498) = 2.59$ at $p<.01$) से भी सांख्यिकीय रूप से होता है जिसके अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में किसी चीज या वस्तु या फिर किसी विशेष परिस्थिति के संदर्भ में तर्कहीन विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों की अपेक्षा अधिक होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक अवसाद से जुड़े लक्षण (Mean = 42.32), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 34.79) से अधिक पाये गये । परिणाम का सत्यापन $t=13.45$, $p<.01$ ($t(df=498) = 2.59$ at $p<.01$) से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक स्नायु दौर्बल्य का स्तर (Mean = 16.54), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 14.74) से अधिक पाया गया । परिणाम का सत्यापन $t=6.08$, $p<.01$ ($t(df=498) = 2.59$ at $p<.01$) से भी सांख्यिकीय रूप से होता है ।

तालिका क्रमांक 1 के अनुसार गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों में असामान्य व्यवहार के घटक सामाजिक अंतर्मुखता का स्तर (Mean = 34.96), विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी–छात्रों (Mean = 35.65) से कम पाया गया परन्तु इस परिणाम की सांख्यिकीय पुष्टि नहीं हुई क्योंकि गणना किये गये $t=1.65$ का मान टेबल मान $t(df=498) = 1.96$ at $p<.05$ से कम है ।

आंकड़ों के विश्लेषण से यह भी ज्ञात हुआ कि सभी घटकों पर दोनों समूहों के माध्य इस स्केल में असामान्य व्यवहार को निर्धारित करने वाले मानक से कहीं कम थे ।

परिणामों पर चर्चा :

अध्ययन में यह ज्ञात हुआ कि विश्वविद्यालयीन खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार का स्तर गैर–खिलाड़ी विश्वविद्यालयीन छात्रों से कम था । पूर्व में किये गये कार्यों से भी यह प्रमाणित होता है कि खेलों में भागीदारी शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन का उत्तम साधन है । Brymer and Oades, 2009, Laborde et al., 2016, Kipp, 2016 ने भी यह प्रमाणित किया है कि खेलों में सहभागिता से विनम्रता, साहस, व्यक्तित्व तथा समस्याओं को सुलझाने की क्षमता का विकास होता है तथा यही कारण है कि खिलाड़ी छात्रों में पाये जाने वाले असामान्य व्यवहार के लक्षण गैर खिलाड़ी छात्रों से कम पाये गये । प्रस्तुत अध्ययन से मिलते जुलते परिणाम Sheikhi and Yadolazadeh (2012), Brand et al. (2013) ने भी ज्ञात किये थे ।

निष्कर्ष :

अध्ययन में गैर खिलाड़ियों में असामान्य व्यवहार चिंता, मनोग्रस्तता–बाध्यता प्रतिक्रिया, रुपांतरण प्रतिक्रिया, वियोजनात्मक– हिस्टिरिया, असंगत भय, अवसाद, स्नायु दौर्बल्य तथा सामाजिक अंतर्मुखता से

संबंधित लक्षण खिलाड़ियों से अधिक पाये गये । निष्कर्षतः यह प्रमाणित होता है कि खेलों में सहभागिता की असामान्य व्यवहार से जुड़े लक्षणों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

Brand, R., Wolff, W. and Hoyer, J. (2013). Psychological symptoms and chronic mood in representative samples of elite student-athletes, deselected student-athletes and comparison students. School Ment Health;5:166-174.

Brymer, E. and Oades, L.G. (2009). Extreme sports: A positive transformation in courage and humility Journal of Humanistic Psychology, 49, pp. 114-126.

Currie, A.; Potts, S.G.; Donovan, W. and Blackwood, D. (1999). Illness behaviour in elite middle and long distance runners. Br J Sports Med;33:19–21.

Ghaedi, L., Mohd Kosnin, A. and Mislan, N. (2014). Comparison of the degree of depression between athletic and non- athletic undergraduate students. Open Sci J of Educ; 2:1-6.

Kinder, A. (2021). Comparing Depression and Anxiety among Athletes and Nonathletes in a College Counseling Center Population (2021). Graduate Theses, Dissertations, and Problem Reports. 8316.

Laborde, S., Guillén, F. and Mosley, E. (2016). Positive personality-trait-like individual differences in athletes from individual-and team sports and in non-athletes Psychology of Sport and Exercise, 26, pp. 9-13.

Mirasafian, H.R.; Oreyzi, H.R. and Heydari Maryam (2008). Comparison of narcissism between the soccer players in different levels. Journal of Psychological Science; 7(26):190-205.

Moshagen, M., Hilbig, B.E. and Zettler, I. (2018). The dark core of personality Psychological Review, 125, pp. 656-688.

Proctor, S.L., and Boan-Lenzo, C. (2010). Prevalence of depressive symptoms in male intercollegiate student-athletes and non athletes. J. Clin. Sport Psychol.; 4:204Y20.

Shairiati, M. and Bakhtiari, S. (2011). Comparison of personality characteristics athlete and non-athlete student, Islamic Azad University of Ahvaz. Procedia - Social and Behavioral Sciences 30 (2011) 2312 – 2315.

Sheikhi, S., Peymanizad, H., Yadolazadeh, A. and Karnalaei, M. (2012). Comparison of behavioral disorders of female athletes and non-athletes in Zahedan secondary schools. European Journal of Experimental Biology, 2 (6):2372-2377.

Kipp, L.E., & Weiss, M.R. (2013). Physical activity and self-perceptions among children and adolescents. In P.Ekkekakis (Ed.), Routledge handbook of physical activity and mental health (pp. 187-199). New York: Routledge.

Storch, E.A., Storch, J.B., Killiany, E.M. and Roberti, J.W. (2005). Self-reported psychopathology in athletes: a comparison of intercollegiate student-athletes and nonathletes. J. Sport Behav.; 28:86Y98..